राज. के किसान आन्दोलन

बिजौलिया किसान आन्दोलन → 1897 - 1941 = 44 वर्ष तक

↳ तीन चरण → 1 → 1897 - 1915

2 → 1915 - 1923

3 → 1923 - 1941

बिजौलिया में 19 जागीर 83 गांव थे 84 प्रकार की लाग ली जाती थी
आन्दोलन शुरू हुआ उस समय → मेवाड़ महाराणा फतेह सिंह थे

बिजौलिया की विज्यावली, उत्माड़ी भी कहा जाता है।

- उपरमाल → बिजौलिया भीलवाड़ा से भैसरोड़गढ के बीच का पथरीला भाग
- → उपरमाल जागिर → खानवा युद्ध मे बहादुरी दिखाने के कारण अशोक परमार राणा सांगा ने दी
- → आन्दोलन का प्रमुख कारण → चंवरी कर
- → चंवरी कर बिजौलिया के ठाकुर कृष्ण सिंह ने लगाया
- → बिजौलिया मे प्रमुख लाग →

लाग :-

→ लाटा → तौलाई के समय ली जाने वाली लाग
→ कूंता → खड़ी फसल पर ली जाने वाली लाग
→ खरड़ा → श्रमजिवी जातियों से ,, ,,
→ कुमठा लाग → दुर्ग निर्माण के ,, ,,
→ खिचड़ी लाग → सेना के भोजन की व्यवस्था करना
→ चुड़ा लाग → जब भी ठकुराइन नया चुड़ा पहनती थी तो लाग ली जाती थी
→ 'चंवरी कर : बेटी की शादी से पहले 1 रुपये से 5 रुपये तक ली जाने वाली लाग
→

नेतृत्व : साधु सीताराम दास, रामजीलाल, फतहकरण के नेतृत्व

→ यह आन्दोलन पूर्णत संगठित अहिंसात्मक किसान आन्दोलन

→ गिरधारी पुरा गांव → गंगा राम धाकड़ की मृत्यु

और → सर्वाधिक धाकड़ जाति के किसान

→ नानक जी पटेल और ठाकरी पटेल चंवरी कर बन्द करने के लिए महाराणा फतेह सिंह से मिले

✓ 1916 → उपरमाल किसान पंच बोर्ड का गठन → साधू सीताराम दास ने किया

1906 में कृष्ण सिंह की मृत्यु के बाद पृथ्वी सिंह ठाकुर बना और इसने तलवार बंधाई कर लगाया।

→ रास बिहारी बोस के कहने पर विजय सिंह पथिक राज. आये

विजय सिंह पथिक :
मूल नाम → भूप सिंह

↳ पथिक जी को टॉडगढ़ किले में नजर बन्द रखा गया।

1917 में हरियाली अमावस्या के दिन बैरिसाल गांव भीलवाड़ा में <u>उपरमाल पंच बोर्ड</u> का गठन किया।

सरपंच → <u>मन्ना पटेल</u>

1919 में नागपुर अधिवेशन में भी मांग उठायी गयी

1919 → बिन्दु लाल भट्टाचार्य आयोग

तीन सदस्य → (1) बिन्दु लाल भट्टाचार्य
(2) → अफजल अली
(3) → अमर सिंह राणावत

→ 1922 रॉबर्ट हॉलैण्ड ने 84 में से 35 लाग माफ की

→ 1927 में विजयसिंह पथिक, व रामनारायण चौधरी बिजौलिया किसान आन्दोलन से अलग हुये

विजय सिंह पथिक के बाद इस आन्दोलन का नेतृत्व माणिक्यलाल वर्मा ने किया। इनका सहयोग जमनालाल बजाज व हीरालाल शास्त्री ने किया

→ 1941 में माणिक्यलाल वर्मा के सहयोग से 51 प्रकार की लाग-बाग माफ

जय हिन्द | वन्दे मातरम के नारों के साथ आन्दोलन समाप्त

→ किसान एक दूसरे को कामरेड बोलते थे

→ तुलसी भील : सन्देश वाहक का कार्य किया

→ माणिक्यलाल वर्मा ने इस आन्दोलन में "पछीड़ा" गीत गाया।

→ बिजौलिया किसान आन्दोलन प्रथमतः प्रताप नामक समाचार पत्र में प्रकाशन

→ "प्रताप" → गणेश शंकर विद्यार्थी ने कानपुर से प्रकाशन किया

निमुचणा किसान आन्दोलन → 1923 → अलवर

↳ कारण : इजारा पद्धति : ऊंची बोली बोलने वाले को निश्चित समय के लिए भूमि दे दी जाती थी

सीता देवी "हम किसी भी हालत में लगान नहीं देंगे"

→ इस आन्दोलन की मांग माधव कुमार गोविन्द सिंह ने पुकार नामक पुस्तक में छापी

निमुचणा हत्याकाण्ड → 14 मई 1925

↳ छज्जु सिंह (राज. का जनरल डायर) ने इस गांव में अंधाधुंध गोलियां चलवायी सैकड़ों की संख्या में लोग मारे गये

→ सर्वप्रथम 31 मई की तरुण राजस्थान पत्रिका ने निमुचणा हत्याकाण्ड नाम से प्रकाशित

→ रियासत अखबार में जलियावाला बाग हत्याकाण्ड से तुलना

→ महात्मा गांधी ने पत्रिका "यंग इण्डिया" दोहरी डायरशाही / विभत्स हत्याकाण्ड कहा

नोट → इस हत्याकाण्ड की जांच के लिए → मनीलाल कोठारी आयोग बना।